3.2.1 भूगोल विभाग

प्रति,

प्राचार्य महोदय

शास. रा.प्र.सिहदेव स्नात. महा. बैकुण्ठपुर, कोरिया (छ.ग.)

विषय – भूगोल विभाग द्वारा विद्यार्थियों को भौगोलिक भ्रमण के लिए जाने हेतु।

महोदय,

निवेदन है कि दिनांक 11.12.2022 को प्राचार्य के नेतृत्व में शैक्षणिक भ्रमण के संदर्भ में लिए गए निर्णय के पालनार्थ भूगोल विभाग द्वारा छात्रों को दिनांक 15.12.2022 को शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाने का निर्णय प्राप्त हुआ है। शैक्षणिक भ्रमण का क्षेत्र सरगुजा संभाग के सूरजपुर जिले के भैसामुड़ा ग्राम (कर्क रेखा तथा भारतीय समय मानक रेखा के कटान बिन्दु) तथा सारासोर ग्राम के प्राचीन शिव मंदिर का सर्वेक्षण है।

अतः प्राचार्य महोदय से निवेदन है कि शैक्षणिक भ्रमण पर जाने की अनुमति प्रदान करने का कष्ट करें।

शैक्षणिक भ्रमण – भूगोल विभाग

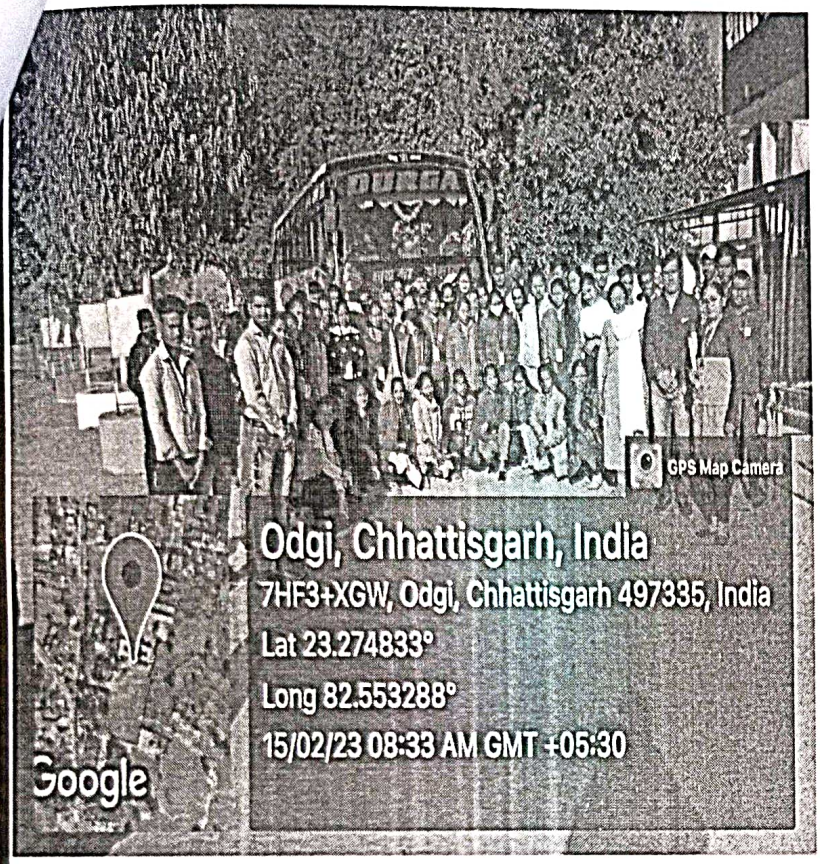

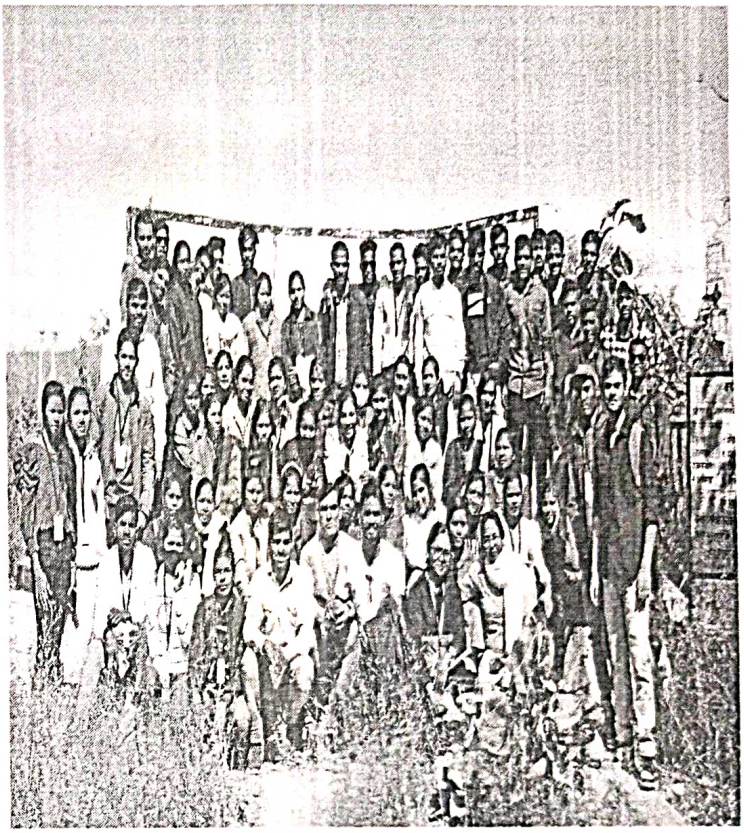

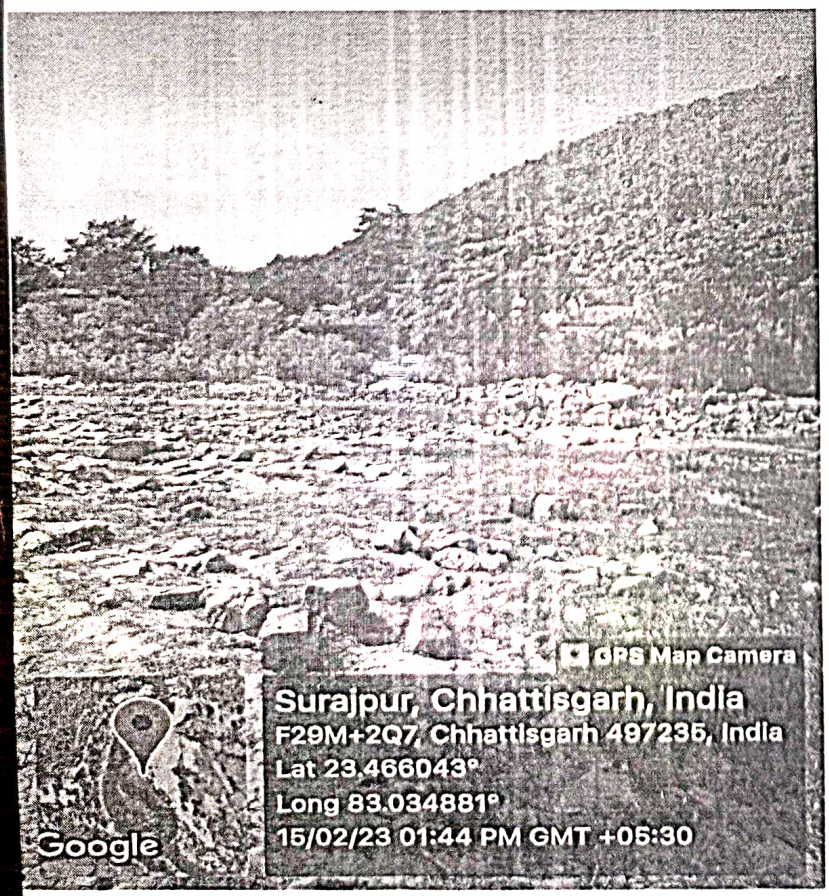

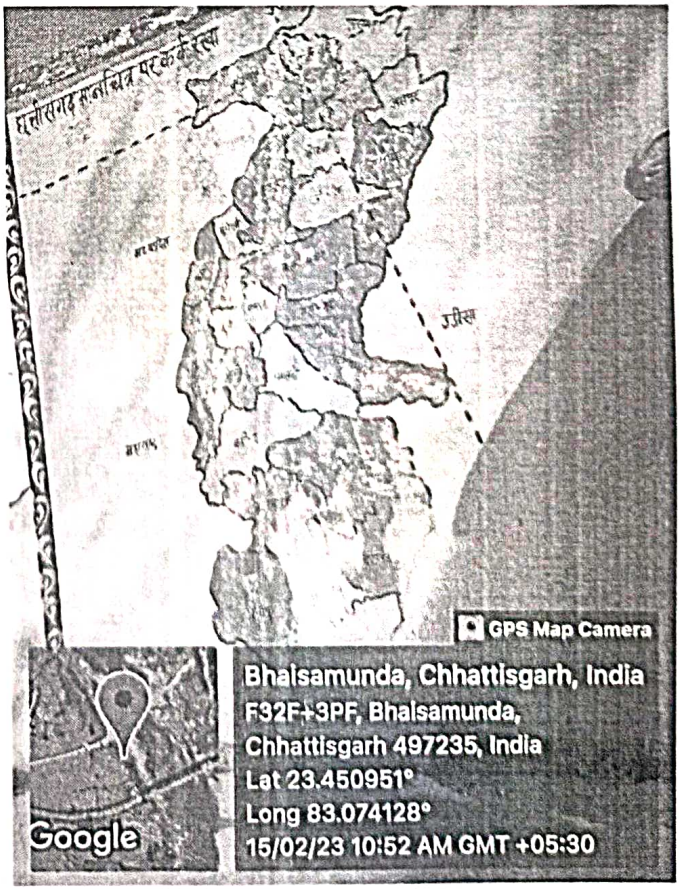

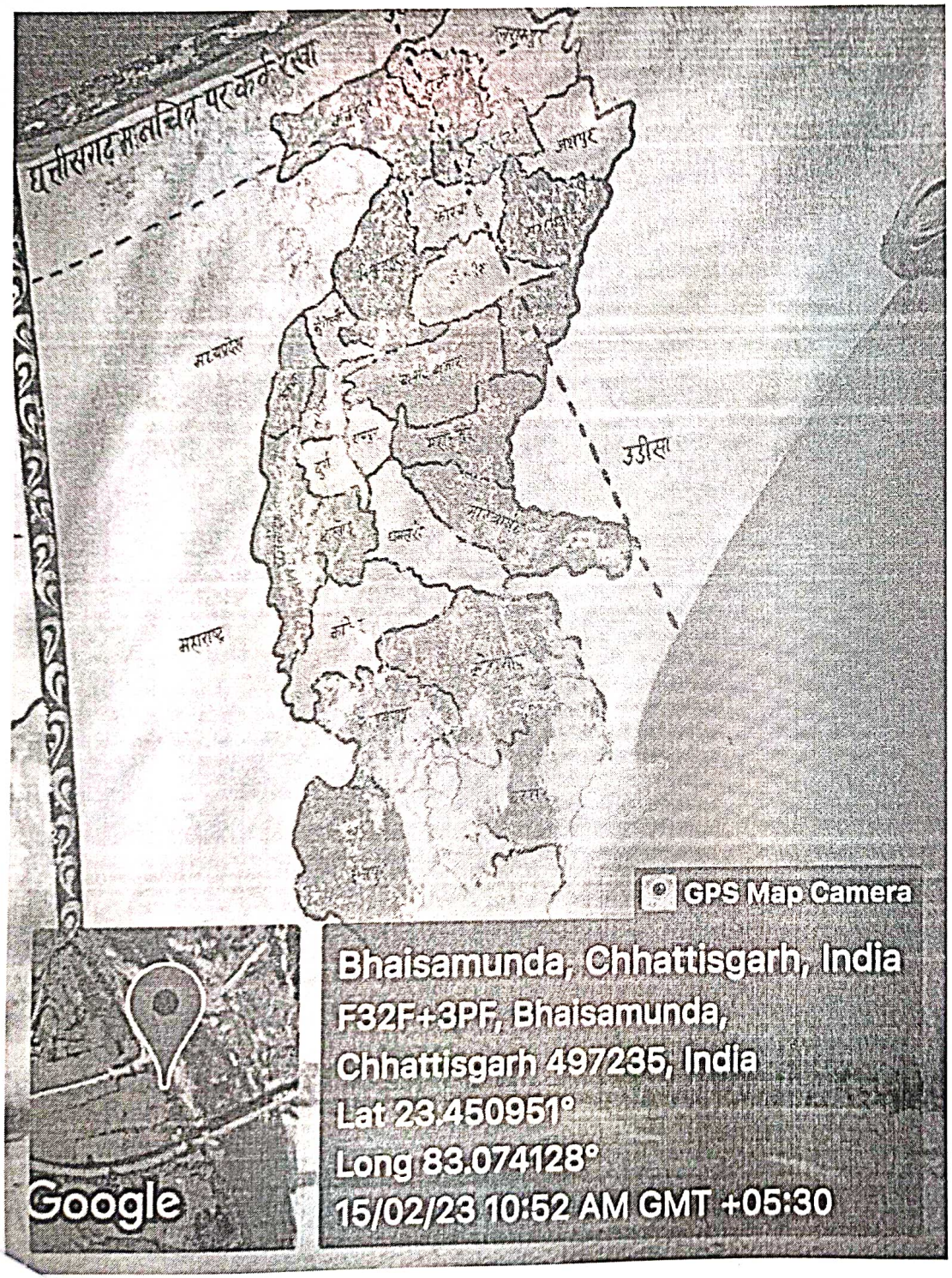

छत्तीसगढ़ मानचित्र पर कर्क रेखा
उड़ीसा
GPS Map Camera
Bhaisamunda, Chhattisgarh, India
F32F+3PF, Bhaisamunda,
Chhattisgarh 497235, India
Lat 23.450951°
Long 83.074128°
15/02/23 10:52 AM GMT +05:30
Google

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव
स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर,कोरिया (छ०ग०)
Ph. : 07836- 232252, E-mail. pgcollege.bkp@gmail.com

क्रमांक / /शै.भ्र./2023 बैकुण्ठपुर, दिनांक

भूगोल विभाग

शैक्षणिक भ्रमण रिपोर्ट

भूगोल विभाग द्वारा बी.ए. अंतिम वर्ष भूगोल के विद्यार्थियों को दिनांक 15.12.2022 को भौगोलिक भ्रमण के उद्देष्य से सरगुजा संभाग के सूरजपुर जिला के भैसामुड़ा में कर्क रेखा व ($23^{1/2o}$ अक्षांष) भारतीय समय मानक रेखा के कटान बिन्दु का साथ ही जिला मुख्यालय सूरजपुर से लगभग 40 कि.मी. की दूरी पर भैयाथान ब्लाक में स्थित महान नदी के तट पर स्थित विशाल पहाड़ों के बीच बसा प्राचीन सारासोर धाम का सर्वेक्षण किया गया इस सर्वेक्षण के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों को सूरजपुर जिले के महान नदी के तट पर भैसामुड़ा नामक गांव में कर्क रेखा और भारतीय मानक समय रेखा का क्रास प्वाइंट का निरिक्षण किया गया यह भारत का एक मात्र स्थान है जो कि भौगोलिक दृष्टि में बेहद खास माना जाता है। विद्यार्थियों के लिए यह ज्ञानवर्धक रहा है। साथ ही सारासोर के पहाड़ों के मध्य स्थित जल स्त्रोतों व मंदिरों का सर्वेक्षण किया गया। इन सर्वेक्षण के परिणाम स्वरूप छात्रों ने रिपोर्ट तैयार किया तथा मुख्य प्रायोगिक परीक्षा मे उपस्थित किया गया।

अतः सर्वेक्षण का मुख्य उद्देष्य छात्रों का भौगोलिक अक्षांश व देशांतरों के ज्ञान प्राप्त करना तथा प्राचीन शिव मंदिर के महत्व तथा उपयोगिता को सामने लाना जो सफल रहा।

नेतृत्वकर्ता

शिखा रानी मंडल
अतिथि व्याख्याता भूगोल